हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

11 प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने किया दिव्यांगजनों...

12 रेलवे स्टेशन पर लगाई जा रही घटिया सामग्री...

आरपीएस नारनौल के छात्र आदिश जैन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर पूरे देश का नाम किया रोशन

-आईजेएसओ में 24 देशों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा। आदिश जैन ने जीता गोल्ड मेडल

आदिश जैन

नारनौल । आरपीएस नारनौल में कक्षा दसवीं में अध्ययनरत छात्र आदिश जैन ने साईंस ओलंपियाड का पहला स्टेज एनएसईजेएस, दूसरा स्टेज आईएनजेएसओ, तीसरा स्टेज ओसीएससी, चौथा स्टेज पीडीटी को पार करते हुए भारत के सर्वश्रेष्ठ 6 विद्यार्थियों की टीम में अपना स्थान बनाया। उसके बाद पांचवे व अंतिम चरण में आईजेएसओ- इंटरनेशनल जूनियर साईंस ओलंपियाड में भारत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए रूस में आयोजित इस प्रतियोगिता में आदिश जैन ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

आदिश जैन की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने छात्र को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर ग्रुप सीईईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आरपीएस अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। आर पी एस ग्रुप में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी करवाई जाती है। यहाँ बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार शोधात्मक शिक्षा देकर उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास किया जाता है। विद्यालय के छात्र आदिश जैन ने विज्ञान विषय में पूरे विश्व में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विद्यालय, जिला, प्रदेश ही नहीं, देश का नाम विश्व में ऊंचा किया है। ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि छात्र आदिश जैन की यह उपलब्धि देश के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर उन्होने आदिश जैन के पिता डॉ. गौरव जैन एवं माता डॉ. रीतिका जैन को बधाई दी एवं सभी विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए शिक्षकों के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने बताया कि आईजेएसओ एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जहाँ छात्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हैं।

पांच स्टेज में होती है प्रतियोगिता

प्रतियोगिता की पहली स्टेज एनएसईजेएस (जूनियर साइंस में राष्ट्रीय मानक परीक्षा) होती है जिसमें पूरे भारत से 300 बच्चों का चयन होता है। दूसरे स्टेज में इंडियन नेशनल जूनियर साइंस ओलंपियाड के तहत पूरे देश में से सर्वश्रेष्ठ 35 विद्यार्थियों का चयन होता है। तीसरे स्टेज में ओसीएससी (जूनियर साइंस में ओरिएंटेशन सह चयन शिविर) होता है जिसमें चौथे स्टेज के लिए 6 सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन किया जाता है। चौथे चरण में आईजेएसओ के लिए प्रस्थान-पूर्व प्रशिक्षण शिविर होता है और पांचवें तथा अंतिम चरण में आईजेएसओ (अंतर्राष्ट्रीय जूनियर साइंस ओलंपियाड) में भागीदारी होती है। गोल्ड मेडल विजेता छात्र आदिश जैन को आरपीएस परिवार के सभी सदस्यों ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

-आरपीएस कक्षा 9वीं एवं 10वीं में इंटरनेशनल ओलंपियाड की करवा रहा तैयारी

विद्यालय के प्राचार्य बाबूलाल यादव ने बताया कि रूस में आयोजित आईजेएसओ प्रतियोगिता में 24 देशों के 12-15 आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में भारत की ओर से आरपीएस विद्यालय का छात्र आदिश जैन भी शामिल था। इस प्रतियोगिता में आर. पी. एस. नारनौल के छात्र आदिश जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में हमारे विद्यार्थी तेजी से प्रगति कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष रोमानिया में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा दसवीं की छात्रा भव्या गुणवाल ने भी गोल्ड मेडल प्राप्त करके देश का नाम रोशन किया। प्राचार्य ने बताया कि इंटरनेशनल जूनियर साइंस ओलंपियाड परीक्षा मुख्य रूप से दुनिया भर के सभी देशों के छात्रों के लिए खुली है। माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी इसमें भाग लेते हैं। यह पहली बार 1987 में आयोजित किया गया था।

ADVT.

जनस्वास्थ्य विभाग में नौकरी करने पर कुलताजपुर के सरपंच विक्रम सिंह सस्पेंड

अदालत से अवैध कब्जे का केस वापस लेकर चहेते को पहुंचाया लाभ सरपंच रहते जनस्वास्थ्य विभाग में की नौकरी, दोनों गांव के सरपंच सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल/नांगल चौधरी

मेघोत बींजा के सरपंच मनोज कुमार पर अदालत में लंबित अवैध कब्जे का केस वापस लेकर अपने समर्थक को लाभ पहुंचाने का मामला उजागर हुआ है। शिकायत मिलने पर बीडीपीओ नांगल चौधरी को जांच सौंपी गई, जिनकी रिपोर्ट पर जिला उपायुक्त कै. मनोज कुमार ने सरपंच को निलंबित कर दिया है। वहीं दूसरी ओर नारनौल के नजदीक गांव कुलताजपुर में भी सरपंच को उपायुक्त ने सस्पेंड किया है। इस सरपंच पर जनस्वास्थ्य विभाग में नौकरी करने का आरोप लगा है। दोनों ही मामले में उपायुक्त ने संबंधित बीडीपीओ को बहुमत वाले पंच को कार्यभार सौंपने के निर्देश दिए हैं।

मेघोत बींजा का मामला

जानकारी के मुताबिक मेघोत बींजा निवासी युवक ने पंचायती जमीन पर पक्का निर्माण करके अवैध कब्जा कर रखा है। पिछली पंचायत के कार्यकाल में तत्कालीन सरपंच ने आरोपी को नोटिस देकर कब्जा छोड़ने की हिदायत दी थी, किंतु उन्होंने पंचायत के आदेशों को मानने से इंकार कर दिया। इसके बाद सरपंच ने अदालत में केस दायर करके पंचायती प्रोपर्टी से अवैध कब्जा हटवाने की गुहार लगाई थी। कुछ महीनों बाद पंचायत का कार्यकाल पूरा हो गया तथा चुनावों में विजयी हुए सरपंच मनोज कुमार ने चार्ज संभाल लिया। जिन्होंने सिविल कोर्ट में अवैध कब्जे की सुनवाई के दौरान पंचायत की बिना अनुमति वाले बयान दर्ज करवा दिए जिस कारण पंचायती प्रोपर्टी की सुरक्षा नहीं हो पाई। शिकायत मिलने पर जिला उपायुक्त ने बीडीपीओ को जांच सौंपकर तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। जांच रिपोर्ट में सरपंच की लचर कार्यशैली उजागर हुई जिसमें अवैध कब्जाधारी को लाभ पहुंचाने की पुष्टि होती है। बीडीपीओ की रिपोर्ट मिलने के बाद उपायुक्त ने सरपंच को कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा। किंतु सरपंच कोई संतोषजनक जबाब नहीं दे पाया और ना ही सिविल कोर्ट में दर्ज कराए ब्यानों के प्रमाण प्रस्तुत कर पाए हैं। सुनवाई के दौरान उपायुक्त पंचायत राज एक्ट की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सरपंच को सस्पेंड कर दिया। बीडीपीओ को तुरंत प्रभाव से विभिन्न चार्ज लेकर बहुमत वाले पंच को सौंपने के आदेश दिए हैं।

बहुमत वाले पंच को चार्ज सौंपने की प्रक्रिया आरंभ

पंचायत अधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि मेघोत बींजा के सरपंच को जिला उपायुक्त ने निलंबित कर दिया है। पंचों को अगले सप्ताह एजेंडा देकर मीटिंग बुलाई जाएगी।

कुलताजपुर का मामला

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 51 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए गांव कुलताजपुर के सरपंच विक्रम सिंह यादव को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। साथ ही सरपंच को निर्देश दिए हैं कि वे ग्राम पंचायत कुलताजपुर का जो कोई भी चल-अचल संपत्ति का चार्ज है, वह नियमानुसार बहुमत वाले पंच को सौंप दें। उन्होंने विक्रम सिंह को भविष्य में पंचायत की कार्यवाही में भाग लेने से वंचित कर दिया है। गांव कुलताजपुर के सरपंच विक्रम सिंह यादव के खिलाफ एक शिकायत थी, जिसकी जांच एसडीएम नारनौल कर रहे थे। एसडीएम द्वारा जांच में पाया गया कि ग्राम पंचायत कुलताजपुर के विरुद्ध आरोप प्राथमिक तौर पर सिद्ध होने पाए गए हैं। सरपंच पर आरोप था कि उसने सरपंच पद के चुनाव लड़ते समय जनस्वास्थ्य विभाग नारनौल में सहायक पंप ऑपरेटर के तौर पर अक्टूबर 2021 से 30 जून 2025 तक कार्य किया गया है तथा संबंधित विभाग से वेतन भी प्राप्त किया हुआ है, जो विभाग द्वारा आपके खाता में डाला गया है, जबकि विक्रम ने वर्ष 2022 में सरपंच पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। विक्रम सिंह ने यह जानकारी छुपाकर सरपंच पद का चुनाव लड़ा तथा जीता। सरपंच पद की निर्धारित योग्यता की शर्त पूर्ण न करने का यह एक गंभीर मामला है। एसडीएम ने यह रिपोर्ट उपायुक्त को प्रेषित की।

यह बोले सरपंच

यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव में की गई है और जो शिकायतकर्ता है, वह सरपंच चुनाव में हारा हुआ है और वही रंजिश रखता है। वह जातिवाद के नाम पर गांव में जहर घोलता रहता है। यह कार्यवाही निष्पक्ष न होकर, राजनीतिक दबाव में की गई कार्रवाई है।

-विक्रम सिंह यादव
सस्पेंडिड सरपंच
कुलताजपुर

खबर संक्षेप

शादी में जा रही महिला के बस में आभूषण चोरी

नारनौल। महिला के जेवरात चलती बस से गायब हो गए। इस बारे में राजस्थान के अलवर जिला के मुंडावर तहसील के गांव राजवाड़ा निवासी महिला रीना देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने चाचा संदीप सिंह की शादी में शामिल होने के लिए निजामपुर के गांव पवेरा में आई थी। शादी में शामिल होने के बाद वह वापस अपने ससुराल जा रही थी। जिसके लिए वह पौने तीन वाली बस से निजामपुर से नारनौल वापस आ रही थी। उसने अपने साथ बस में ट्राली बैग, जिसमें कपड़े व गहने रखे हुए थे। बस में ज्यादा भीड़ होने के कारण उसकी पीठ सामान की तरफ थी। जब नारनौल बस से उतरने के बाद उसने अपना बैग चेक किया तो उस बैग के अंदर रखे गहने उसे गायब मिले। जिस पर उसके पति ने थाने में रिपोर्ट की।

कार ने साइकिल सवार को मारी टक्कर

कनीना। अटेली सड़क मार्ग पर मोहनपुर के समीप घटित सड़क हादसे में एक साइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उप नागरिक अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चिकित्सकों ने पीजीआईएमएस रोहतक के लिए रेफर कर दिया। इस बारे में रामनिवास वासी मोहनपुर ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई भागीरथ 28 नवंबर को साइकिल पर सवार होकर अटेली की ओर जा रहा था। इसी दौरान कनीना की ओर से तेज गति से आ रही एक कार ने साइकिल को टक्कर मार दी।

बुलेट सवार ने ऑटो को मारी टक्कर

मंडी अटेली। नारनौल रेवाड़ी रोड पर बुलेट सवार ने ऑटो को टक्कर मार दी। वहीं टक्कर लगने के बाद बुलेट सवार युवक नीचे गिर गए। इसके बाद बुलेट सवार युवक ने ऑटो को रुकवाकर उसके साथ मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए। वहां उपस्थित लोगों ऑटो चालक हमला करने वाले युवक पकड़कर डायल 112 को सूचना दी। जानकारी के अनुसार अटेली के पुराने बस स्टैंड के समीप दोपहर एक बजे ऑटो को बुलेट सवार युवकों ने टक्कर मार दी। इस टक्कर युवक नीचे गिर गए थे। इसके बाद बुलेट सवार युवक ने ऑटो चालक को पीटकर उसके कपड़े फाड़ दिए थे। वहां पर बड़ी तादाद में लोग एकत्रित हो गए।

प्रशासन की कार्रवाई से दुकानदारों में खौफ, अभियान तक दुकान रखी बंद

तीसरे दिन भी अतिक्रमण पर प्रहार 12 दुकानदारों को थमाए चालान

- व्यापारियों ने परशुराम चौक पर की नारेबाजी, आज एसडीएम से मिलेंगे
- शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने में आमजन का सहयोग जरूरी : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर में तीसरे दिन वीरवार को भी अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई। यह अभियान एसडीएम कनिका गोयल ने पुलिस बल के साथ चलाया। इस दौरान 12 दुकानदारों के चालान किए गए और एक दुकान का सामान जब्त किया गया। कार्रवाई से खफा व्यापारियों ने परशुराम चौक पर प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाकर रोष जताया।

बता दें कि सुबह सवा नौ बजे कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान एसडीएम कनिका गोयल नगर पालिका टीम व पुलिस बल के साथ शहर की सब्जी मंडी में पहुंची। यहां पर मंडी के मुख्य प्रवेश द्वार पर रेहड़ी संचालकों ने रास्ता संकरा किया हुआ था। टीम ने उनके चालान एक हजार रुपये का चालान किए और टीम अंदर बढ़ गई। इसके बाद अंदर भी दुकानदारों की ओर से काफी दूरी में दुकान बढ़ाई गई थी और इससे आवागमन का रास्ता कम पड़ रहा है। इस पर भी एसडीएम ने चेतावनी दी और दुकानों को मंडी की दीवार के साथ रखने के निर्देश दिए। बाद में टीम शहर के 11 हट्टा बाजार में पहुंची और यहां पर दुकानदारों में हड़कंप मच गया। टीम ने एक दुकान के बाहर रखे सामान को कब्जे में ले लिया। इस पर स्थानीय निवासी एक महिला वकील ने नपा ट्रैक्टर की चाबी निकाल ली और अपने घर चली गई। बाद में टीम ने दुकानदार पर जुर्माना लगाया और चेतावनी देकर सामान छोड़ दिया। इस तरह यह अभियान एक घंटे तक चला और इसमें सभी 12 दुकानदारों के एक हजार व दो हजार रुपये के चालान किए गए।

महेंद्रगढ़। दुकानदार को अतिक्रमण न करने की सलाह देती एसडीएम कनिका गोयल। फोटो : हरिभूमि

व्यापारियों ने की नारेबाजी

दूसरी ओर परशुराम चौक पर प्रशासन की कार्रवाई से खफा व्यापारियों ने की नारेबाजी की। प्रशासन अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है और दुकानदार इसका विरोध कर रहे हैं। अभियान को देखकर रेहड़ी चालक इधर-उधर भागते नजर आए। दुकानदार व व्यापारियों ने कहा कि प्रशासन तानाशाही पर उतर आया है, इसको बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर प्रशासन ने अपने तानाशाही बंद नहीं की, तो व्यापारियों को मजबूरन बाजार बंद करना पड़ेगा। हरियाणा व्यापार मंडल के प्रधान सुनील अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों का मंडल एसडीएम से मिलेगा, अगर उनकी मांग नहीं मानी गई, तो उसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

दुकानें रखी बंद

प्रशासन की ओर से इस कार्रवाई को लेकर दुकानदारों में खौफ बना हुआ हैं। अभियान को लेकर शंकर मार्केट के दुकानदारों में खौफ देखने को मिला। जब अभियान चलाया गया तब तक दुकानदारों ने अपनी दुकानें ही खोली। अभियान थमने के बाद दुकानदारों ने दुकान खोली। दुकानदारों का कहना था कि प्रशासन की ओर से इतना चालान किया जा रहा है कि वह भर हीं नहीं सकते। शंकर मार्केट के अलावा अन्य बाजार में भी दुकान बंद रही।

अतिक्रमण मुक्त बनाने में आमजन का सहयोग जरूरी

अतिक्रमण मुक्त महेंद्रगढ़ अभियान के तहत एसडीएम कनिका गोयल ने वीरवार को सब्जी मंडी व परशुराम चौक क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के 12 चालान 14 हजार रुपये के किए तथा भविष्य में अतिक्रमण न करने के निर्देश दिए। एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि शहर को जाम मुक्त और कचरा मुक्त बनाने के लिए आमजन का जागरूक होना जरूरी है। किसी भी शहर का इन्फ्रास्ट्रक्चर व सफाई व्यवस्था उसकी सुंदरता को बढ़ाने का काम करते हैं। इसलिए महेंद्रगढ़ को जाम मुक्त व कचरा मुक्त बनाने में आमजन का सहयोग जरूरी होता है। इस दौरान उन्होंने आमजन व दुकानदारों के साथ शहर में पार्किंग व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण सहित अनेक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आमजन महेंद्रगढ़ को पॉलिथीन मुक्त शहर बनाने में प्रशासन का सहयोग करे और बाजार जाते समय घर से कपड़े का थैला जरूर लेकर जाए। उन्होंने कहा कि दुकानदार व आमजन कचरे को अधिकृत स्थान पर ही डालें। इधर-उधर कचरा ना फैंके, क्योंकि इससे गंदगी फैलेगी, जिससे नागरिकों को ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दुकानदार एसडीएम से मिलेंगे

व्यापार मंडल के प्रधान एडवोकेट सुरेंद्र बंटी ने कहा कि बाजार में प्रशासन बिल्कुल गलत चालान काट रहा है। इसका सभी व्यापारियों में विरोध है। कोई चालान का पैमाना नहीं है। सिर्फ एक छोटी सिल्ली या एक सीढ़ी का भी पचास हजार रुपये तक के चालान काटे जा रहें है। इसकों लेकर शुक्रवार को सुबह 10 बजे सभी व्यापारी एसडीएम से मुलाकात करेंगे।

नारनौल। गांव बड़गांव-बड़कोदा की वो जमीन जहां बनाया जाएगा स्टेडियम।

नारनौल में बनेगा बड़ा खेल स्टेडियम, सरकार ने दी मंजूरी

- सांसद ने 16 नवंबर को सूर सैनी जयंती कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सामने भी उठाई थी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले के खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है। हरियाणा सरकार के खेल महानिदेशक की तरफ से नारनौल में बड़ा खेल स्टेडियम बनाने की मंजूरी दे दी गई है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि नारनौल से लगभग पांच किलीमीटर दूर गांव बड़गांव-बड़कोदा में खेल स्टेडियम बनाया जाएगा।

खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से की गई थी। इसकी मुख्यमंत्री घोषणा का कोड 10638 21 अक्टूबर 2015 है। लंबा समय बीत जाने के बाद भी मामला लटका हुआ था। विधायक ओमप्रकाश यादव भी इसके लिए प्रयासरत थे। हाल ही में नारनौल में महाराजा सूर सैनी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सांसद धर्मबीर सिंह ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के सामने नारनौल में एक बड़ा स्टेडियम जल्द-से-जल्द बनाए जाने की मांग फिर से उठाई थी। कार्यक्रम के 15 दिन के अंदर ही खेल महानिदेशक की तरफ से गांव बडगांव एवं बड़कोदा में संयुक्त रूप से 13 एकड़, तीन कनाल व दो मरला में खेल स्टेडियम बनाया जाएगा। संदीप मालड़ा ने बताया कि नौ नवंबर को नारनौल विधानसभा के खेल महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने आए सांसद धर्मबीर सिंह उस दौरान भी महसूस किया था कि नारनौल में एक बड़े स्टेडियम की नितांत आवश्यकता है। 16 नवंबर को अनाज मंडी के कार्यक्रम में इस मांग को उठाया था।

खेल स्टेडियम में शुरू में इन सुविधाओं का होगा निर्माण

400 मीटर का सिंथेटिक एथलैटिक ट्रैक (फुटबाल ग्राउंड इनसाइड), वुडन बैडमिंटन हाल, मल्टीपरपज इंडोर हाल, वालीबॉल एवं बास्केटबॉल ग्राउंड, तैराकी तरणताल, सिंथेटिक लॉन टेनिस ग्राउंड, कबड्डी एवं कुश्ती हाल, जूडो हाल, तीरंदाजी ग्राउंड, जिला खेल कार्यालय बिल्डिंग एवं खेल सामान स्टोर।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा घायल

नारनौल। बीती रात्रि को बाछोद के समीप अज्ञात वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी। घटना के बाद दोनों को पुलिस लेकर नागरिक अस्पताल पहुंची। जहां चिकित्सकों ने करीब 23 वर्षीय अजय यादव पुत्र पप्पू यादव वासी गुवाणी को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके साथी रोहित को उपचार के लिए भर्ती कर लिया। गांव के ही छोटेलाल पंच ने बताया कि बीती शाम को अजय के दोस्त की बहन की शादी थी और वह अटेली गए हुए थे। उन्हें साइबर कैफे पर भी काम था। जब वह रात्रि को अटेली से वापस गुवाणी आ रहे थे, तब उनकी बाइक को बाछोद के नारनौल रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर में अजय एवं रोहित को चोटें लगी, जिससे अजय की मौत हो गई, जबकि रोहित को बेहोशी की अवस्था में डाक्टरों ने उपचार के लिए भर्ती कर लिया था। अब सुबह रोहित को होश हा गया, लेकिन अजय की इस एक्सीडेंट में मौत होने पर पुलिस कार्रवाई की गई। अज्ञात वाहन के खिलाफ केस दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। अजय अपनी बहन का इकलौता भाई था और अविवाहित था। वह प्राइवेट कंपनी में लगा हुआ था, लेकिन शादी से लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गया। ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम उपरांत शव का गांव में अंतिम संस्कार कर दिया।

आक्रोश

एसएमओ पद की सीधी भर्ती को रोकने के मुद्दे पर आंदोलनकारी हो रहे चिकित्सक

स्वास्थ्य मंत्री से मिलने पर भी समाधान नहीं

आठ व नौ को हड़ताल पर रहेंगे चिकित्सक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के तत्वावधान में स्टेट लेवल पर गठित स्टेट एक्शन कमेटी ने डाक्टरों की प्रस्तावित दो दिवसीय आठ व नौ दिसंबर की हड़ताल से पहले स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर उनसे मुलाकात की, लेकिन मांगें पूरी नहीं हुई। इस कारण हड़ताल को फिलहाल यथावत जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के जिला प्रधान डा. विवेक शर्मा ने बताया कि डायरेक्ट एसएमओ की भर्ती को रोकने के मुद्दे को लेकर गत तीन दिसंबर को एचसीएमएसए की स्टेट एक्शन कमेटी की मीटिंग आयोजित की गई। यह मीटिंग स्वास्थ्य मंत्री के चंडीगढ़ स्थित निवास पर आयोजित की गई, जिसमें एक्शन कमेटी के पदाधिकारियों समेत सभी जिलों के जिलाध्यक्ष भी मौजूद रहे। मीटिंग में डायरेक्ट एसएमओ भर्ती को रोकने तथा पूर्व अनुमोदित संशोधित एसीपी संरचना की अधिसूचना जारी करने का मुद्दा छाया रहा। इन दोनों मुद्दों पर पिछले 16 महीनों से लगातार अनुरोधों एवं अभ्यावेदनों के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ है। यह उल्लेखनीय है कि इन दोनों मांगों पर सरकार द्वारा पिछले वर्ष ही सहमति और स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। जिससे डाक्टर्स में काफी रोष है तथा यह एक तरह से सरकार की वादाखिलाफी है।

नारनौल। नागरिक अस्पताल। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य मंत्री से इन मुद्दों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निवेदन किया

डा. शर्मा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री से इन मुद्दों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निवेदन किया। यद्यपि माननीय मंत्री महोदया इन मुद्दों से सहमत थी, लेकिन उनके द्वारा समाधान के संबंध में कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि डायरेक्ट एसएमओ भर्ती रोकने का मुद्दा मुख्यमंत्री स्तर पर पुनः चर्चा हेतु भेजा जाएगा और उसी के उपरांत कोई निर्णय लिया जाएगा। संशोधित एसीपी संरचना की अधिसूचना के लिए वित्त विभाग से परामर्श किया जाएगा, परंतु यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि इस संदर्भ में समाधान हो जाएगा तथा कितने समयावधि में यह परामर्श किया जाएगा। यह हमारे लिए निराशाजनक था। इसके पश्चात एचसीएमएसए की एक्शन कमेटी ने पुनः बैठक कर उपरोक्त निष्कर्षों की समीक्षा की। इस बात पर सर्वसम्मति थी।

आज है इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे

वॉलंटियर बनकर दुनिया बनाओ खूबसूरत

बच्चो, अपनी इच्छा से निस्वार्थ भाव से किसी की मदद करने वाले लोगों को वॉलंटियर्स कहते हैं। ये वॉलंटियर्स इंसानों की ही नहीं, पशु-पक्षियों और नेचर की केयर करने में भी पीछे नहीं रहते। इस दुनिया को सुंदर-प्यारा बनाए रखने में वॉलंटियर्स का बहुत बड़ा योगदान होता है। बच्चो, तुम भी एक अच्छे वॉलंटियर बनकर अपने समाज-देश और पूरी दुनिया को खूबसूरत बनाओ।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, किसी की मदद करने का भाव तो हम सबके मन में होता है लेकिन इसे व्यवहार में उतारना आसान नहीं होता। अपने डेली रूटीन से किसी अच्छे काम के लिए समय निकालना मुश्किल होता है। किसी से मिलकर उसकी जरूरत या परेशानी के बारे में पूछने का काम भी सब नहीं कर पाते। सेवा-सहायता के इन प्यारे भावों को प्रैक्टिकली कर दिखाने का काम वॉलंटियर्स करते हैं। कैसे बिना किसी फायदे की चाह के अपनी छोटी-छोटी कोशिशों से किसी का मददगार बना जाए? कैसे अच्छी बातों को बर्ताव में उतारा जाए? किस तरह बिना दिखावे के किसी का साथ दिया जाए? किस तरह मोर्चे पर डटकर प्रकृति का ख्याल रखा जाए? पूरे तन-मन से कैसे किसी का मनोबल बढ़ाया जाए? ये सब कुछ ऐसे सेवाभावी लोगों यानी वॉलंटियर्स से सीखा जा सकता है।

छोटे-छोटे कदम भी अहम

प्यारे बच्चो, किसी की सहायता करने या उसे संबल देने का काम हर कोई कर सकता है। बच्चे भी कर सकते हैं। वॉलंटियर के रूप में जरूरी नहीं कि बड़े स्तर पर ही कुछ किया जाए। अपने घर, आस-पड़ोस, सड़क, स्कूल, पार्क हर जगह सहयोगी सिटीजन की भूमिका निभाई जा सकती है। मुसीबत में मददगार बनने या फिर दुःख तकलीफ में किसी का साथ देने के लिए बस इच्छा शक्ति की दरकार होती है। असल में कंसर्न की सोच अपना लें तो पॉजिटिव भागीदारी का रास्ता मिल ही जाता है। इस सरोकारी समझ से हमारा छोटा सा कदम भी किसी की बहुत बड़ी मदद कर सकता है। हेल्प करने, साथ देने की इस सोच से पूरी दुनिया सुंदर बन सकती है। सबका जीवन सहज-सरल हो सकता है।

यूं बनो मददगार

बच्चो, बड़ा दिल, खुली सोच और किसी की तकलीफ को समझने वाला हर इंसान वॉलंटियरिंग कर सकता है। जैसे किसी बुजुर्ग की मदद करना, पार्क में पेड़-पौधे लगाना, स्कूल में किसी साथी को चोट लगने या बीमार होने पर उसका बैग उठाना, ऐसे सभी काम सहायता का सुंदर भाव ही तो हैं। अपने एरिया में साफ-सफाई करते लोगों का साथ देने से लेकर घर में काम करने वाले सहायकों का बेवजह काम ना बढ़ाना भी, सेवा करने जैसा ही है। बच्चो, सिंपैथी और साथ देने की यह सोच बहुत से लाइफ स्किल्स भी सिखाती है। किसी तरह की कठिनाई या जरूरत में दूसरों का सहयोग करना अपने जीवन को संभालना भी सिखाता है। औरों का जीवन सहज बनाने के लिए किया गया छोटे से छोटा काम जिंदगी का सुंदर पाठ पढ़ाता है। इसीलिए न केवल खुद किसी की मदद करने की सोच रखनी चाहिए बल्कि वॉलंटियर्स का खूब सम्मान भी करना चाहिए। बच्चो, तुम्हें ऐसे पॉजिटिव काम करते देखकर दूसरे साथी भी प्रोत्साहित होते हैं। दुनिया को बेहतर बनाने के लिए तुम जैसे नन्हे वॉलंटियर्स की भूमिका भी बहुत अहम है। *

इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे

बच्चो, हर साल 5 दिसंबर को मनाया जाने वाला इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे असल में प्यार, परवाह और साझे जीवन का ही संदेश लिए है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1985 में शुरू किया गया यह खास दिन हर वर्ष एक विशेष संदेश देने वाले विषय यानी थीम को लेकर मनाया जाता है। साल 2025 में इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे की थीम है 'हर योगदान मायने रखता है।' इस थीम का मैसेज भी यही है कि बिना स्वार्थ की गई सेवा का हर छोटा या बड़ा कदम मायने रखता है। जितना संभव हो हम सबको यह सेवाभाव रखना चाहिए। समय, सेवा, धन या मान-मनोबल को उन लोगों तक पहुंचाना चाहिए, जो किसी तरह की परेशानी में हैं। इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे सभी को अपनी इच्छा से औरों के लिए हेल्पफुल बनने का संदेश भी देता है। साथ ही यह दिन दुनिया भर में उन लोगों को धन्यवाद देने का मौका भी है, जो अपना अनमोल वक्त स्वैच्छिक सेवा देने में लगाते हैं। सही मायने में मदद करने की भावनाओं को धरातल पर उतारते हैं। अपने आस-पास देखोगे तो तुम्हें भी ऐसे बहुत से संवेदनशील लोग मिल जाएंगे, जो किसी का सहयोग करने में आगे रहते हैं। बच्चो, इस वर्ष इंटरनेशनल वॉलंटियर्स-डे की थीम 'एवरी कॉन्ट्रिब्यूशन मैटर्स' को याद रखते हुए तुम भी सहजता से किसी जरूरतमंद के लिए जो कुछ किया जा सके, वह जरूर करो।

बच्चो, अपने देश में एक ऐसी जगह है, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से दुनिया भर में मशहूर है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनोरम घाटियों, झीलों और हरे-भरे चारागाहों को देखने देश-दुनिया से पर्यटक आते हैं। जानो, भारत के 'मिनी स्विटजरलैंड' खज्जियार के बारे में।

भारत का मिनी स्विटजरलैंड खज्जियार

अमेजिंग प्लेस
नयनतारा

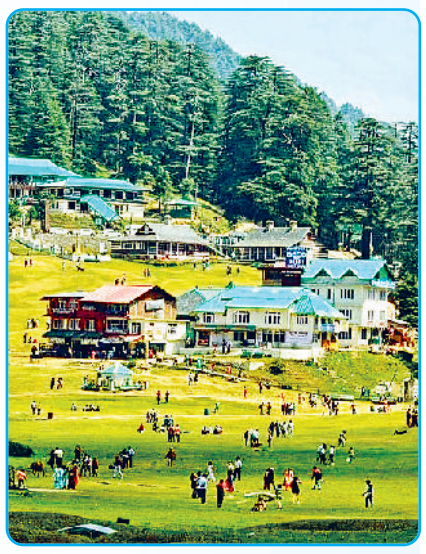

बच्चो, अपने देश में प्राकृतिक सुंदरता और विविधता की भरमार है। यहां हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर धूप में खिलते समुद्री तटों तक कई मोहक नजारे देखे जा सकते हैं। हमारे देश के कुछ स्थानों की तुलना अकसर विश्वविख्यात अंतरराष्ट्रीय डेस्टिनेशंस से भी की जाती है। भारत में एक जगह ऐसी भी है, जिसकी तुलना स्विटजरलैंड देश से की जाती है, इसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। इसका नाम है-खज्जियार।

स्विटजरलैंड जैसा खूबसूरत: हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में, डलहौजी से लगभग 24 किमी दूर धौलाधार पर्वत श्रृंखला के नीचे स्थित है खज्जियार। यहां दूर तक फैले हुए हरे घास के मैदान, विशाल पहाड़, गहरी घाटियां, क्रिस्टल की तरह साफ झीलें और हर तरफ प्राकृतिक सुंदरता छाई रहती है। किसी खूबसूरत पेंटिंग जैसा सुंदर दिखने वाला यह मनोरम स्थल कई मायने में यूरोपीय देश स्विटजरलैंड जैसा है।

'मिनी स्विटजरलैंड' नाम कैसे-कब पड़ा: बच्चो, खज्जियार को यूं ही मिनी स्विटजरलैंड नहीं कहा जाता, बल्कि आधिकारिक रूप से इसे यह नाम दिया गया है। दरअसल, भारत में स्विटजरलैंड के तत्कालीन राजदूत विल्ली पी. ब्लेजर ने 7 जुलाई 1992 को खज्जियार को आधिकारिक तौर पर विश्व के उन 160 स्थानों में शामिल किया, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' कहे जाते हैं। उन्होंने खज्जियार में एक साइनबोर्ड भी लगवाया, जिसमें स्विस राजधानी बर्न से खज्जियार की दूरी 6,194 किमी दर्शाई गई है। मतलब यह कि स्विस सरकार भी खज्जियार को आधिकारिक तौर पर मिनी स्विटजरलैंड मानती है। यह बात स्विटजरलैंड की राजधानी बर्न में स्विस संसद के पास एक शिलालेख पर भी दर्ज है।

प्राकृतिक आपदाओं का रहता है खतरा: खज्जियार की गिनती निश्चित तौर पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे खूबसूरत स्थानों में होती है। लेकिन यहां भूकंप एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बना रहता है। यह स्थान समुद्र तल से लगभग 1,920 मी. या 6,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जो इसके क्लाइमेट और वनस्पति जगत को प्रभावित करता है। खज्जियार को भूकंप जोन 5 के अंतर्गत रखा गया है, जिसका अर्थ है कि यहां अधिक तीव्रता के भूकंप का खतरा बना रहता है। *

कविता / दिनेश विजयवर्गीय

सर्दी की धूप

रेशम-सी मुलायम लगती
सर्दी की अलसाई धूप।
देर से आकर जल्दी जाती
भागम-भाग मचाती धूप।
बूढ़े-बच्चे धूप सेंकते
तन को बहुत सुहाती धूप।
दादा जी पढ़ते अखबार
जब आ जाती छत पर धूप।
धुंध कोहरा जब छा जाता
नजर न आती सोनल धूप।
शीत लहर के आतंक से
बेबस-सी हो जाती धूप।
सरसों के पीले खेतों में
गीत खुशी के गाती धूप।

हंसगुल्ले

हिंदी टीचर : 'दांत खट्टे करना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
आनंद : मैंने रोहन को इमली खिलाकर उसके दांत खट्टे कर दिए।
-तुषार, रायपुर

टीचर : तुम 18वीं सदी के वैज्ञानिकों के बारे में क्या जानते हो?
रोहन : सर, यही कि वे सब अब इस दुनिया में नहीं हैं।
-केशव, बिलासपुर

पापा (सौरभ से) : अगर तुम महान काम करोगे, तो तुम्हारा नाम अमर हो जाएगा।
सौरभ : लेकिन पापा, मेरे पुराने नाम का क्या होगा?
-सुमन, भोपाल

जीके क्विज-182

1. हाल ही में पीएम मोदी ने किस सिख गुरु के सम्मान में एक विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किए?
2. बैडमिंटन में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 पुरुष एकल का खिताब किसने जीता है?
3. बिहार के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
4. केरल की राजधानी कहां है?
5. 'मधुशाला' किस लेखक की प्रसिद्ध रचना है?
6. एलपीजी सिलिंडर में मुख्य रूप से कौन-सी गैस भरी होती है?
7. किस विटामिन को सोलर विटामिन कहा जाता है?
8. काठमांडू किस देश की राजधानी है?
9. कंगारू किस देश में पाया जाता है?
10. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन-सा है?

बच्चों, जीके क्विज-182 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-181 का उत्तर : 1.मीनाक्षी हूडा, 2.फातिमा बॉश, 3.फिलीपींस, 4.तैराकी, 5.हरा, 6. एंटनी वान ल्यूवेनहॉक, 7.सिक्किम, 8.जयप्रकाश नारायण, 9.न्यूटन, 10.इंदिरा प्वॉइंट

जीके क्विज-181 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, सूरज-रायपुर, कोमल-दुर्ग, साकेत-बिलासपुर, अंकित-रोहतक, अंश-भोपाल, शेखर-महासमुंद, हर्ष-बालोद

कहानी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

बंटी बेवकूफ है!

बंटी ने जब-जब किसी के साथ गलत-बुरा होते देखा, उसने उसकी मदद करनी चाही। लेकिन पापा ने उसे यह कहकर रोका, 'काहे दूसरों के मामले में अपनी टांग अड़ाते हो, यह बेवकूफी है।' फिर भी बंटी ने दूसरों की मदद करना नहीं छोड़ा। एक दिन तो बंटी की बुरी तरह पिटाई हो गई। क्या इसके बाद बंटी ने लोगों की मदद करना छोड़ दिया?

'पापा...पापा वो देखो।' बालकनी में खड़े बंटी ने तेज आवाज में कहा और सीढ़ियों की तरफ दौड़ पड़ा। कमरे में बैठे पापा बालकनी में आए, देखा कि सामने सड़क पर एक लड़का गिरा पड़ा था, तीन लड़के उसकी पिटाई कर रहे थे।

'अरे बंटी! रुक...रुक...रुक बेटा!' आवाज देते पापा बंटी के पीछे दौड़े। सीढ़ियों से उतर कर बंटी घर से बाहर निकलने ही वाला था कि पापा ने उसकी बांह पकड़ ली। पापा ने डांटते हुए पूछा, 'तू कहां जा रहा है?'

'उस भैया की मदद करने। देखा नहीं आपने, तीन लड़के अकेले भैया की कैसी पिटाई कर रहे हैं?' बंटी अपनी बांह छुड़ाने की कोशिश करते हुए बोला।

'तुमसे क्या मतलब? चल अंदर..।' पापा ने गुस्से में कहा और दरवाजा बंद कर बंटी को ऊपर खींच लाए। बंटी मन मसोस कर रह गया।

ऐसे ही एक दिन बंटी अपने पापा के साथ स्कूटर पर बाजार जा रहा था। रास्ते में उसके बगल से एक मोटर साइकिल निकली, जिस पर दो नौजवान लड़के बैठे हुए थे। अचानक मोटर साइकिल सड़क के किनारे पैदल जा रही एक महिला के बगल में रुकी और पीछे बैठे लड़के ने झपट्टा मार कर उस महिला के गले से चेन खींच ली।

महिला सड़क पर गिर गई। वह चिल्लाती रही और मोटर साइकिल सवार लड़के तेजी से भाग गए।

'पापा...वो देखो उस मोटर साइकिल पर जा रहे लड़के आंटी के गले से चेन खींच कर भाग गए। आंटी जमीन पर गिर गई हैं।' बंटी ने पापा से कहा।

'तू चुप कर...।' पापा ने कहा और स्कूटर की स्पीड तेज कर दी।

'पापा...मैंने मोटर साइकिल का नंबर पढ़ लिया है। उसके आखिर में बी. एन. सिक्स थ्री नाइन टू लिखा था। हमें पुलिस को बता देना चाहिए।' बंटी बोला।

'तुमने कुछ नहीं देखा है। बस अपने काम से काम रखा करो। और सुनो, किसी से यह कहने की जरूरत नहीं कि तुमने मोटर साइकिल का नंबर देखा था।' पापा बोले।

'आखिर क्यों पापा? पुलिस को बता देने से शायद बदमाश पकड़ लिए जाएं, आंटी की चेन मिल जाए।' बंटी बोला। 'बेवकूफी की बात मत कर। मैं जितना कह रहा हूं, बस उतना ही सुन।' पापा ने जोर से डांटा। बंटी अपना मन मारकर बैठ गया।

उस दिन स्कूल में छुट्टी के बाद कक्षा सात और कक्षा आठ की क्रिकेट टीमों के बीच मैच था। अपनी कक्षा सात की टीम का एक खिलाड़ी बंटी भी था। मैच खत्म होने के बाद स्कूल से लौटने में देर हो गई थी। शाम का हल्का अंधेरा हो गया था। रास्ते में अचानक एक सुनसान गली से किसी लड़की के चीखने की आवाज सुनाई पड़ी। बंटी ने रुक कर इधर-उधर देखा, सामने दो बदमाश लड़के एक लड़की का रास्ता रोके खड़े थे। एक लड़के ने लड़की का हाथ पकड़ रखा था। लड़की रो रही थी। वह बार-बार 'प्लीज मुझे छोड़ दीजिए...प्लीज मुझे जाने दीजिए..' बोल रही थी, लेकिन वे बदमाश लड़के उसको जाने नहीं दे रहे थे।

सड़क पर जा रहे लोग लड़की की आवाज सुन कर गली की तरफ एक नजर देखते थे और आगे बढ़ जाते थे। किसी ने भी बचाने की कोशिश नहीं की। बंटी से रहा नहीं गया। वह तेजी से बदमाश लड़कों की ओर बढ़ा और अपना बैट पीछे से एक बदमाश के कंधे पर पूरी ताकत से दे मारा। इस अचानक हुए हमले से बदमाश घबरा गए। वे लड़की को छोड़ बंटी से भिड़ गए। इतने में लड़की को मौका मिल गया। वह भाग कर सड़क पर आई और 'बचाओ...बचाओ...बचाओ...बचाओ' चिल्लाने लगी। जब तक लोग जुटे तब तक वे बदमाश लड़के बंटी को पीटकर वहां से भाग गए थे। खबर मिली तो बंटी के पापा-मम्मी भागे-भागे वहां पहुंचे। उसे तुरंत घर ले आए फिर फर्स्ट एड करने के बाद पापा ने बंटी से कहा, 'बार-बार समझाया है मैंने, दूसरों के टंटे में मत पड़ा करो, लेकिन तुम सुनते ही नहीं। तुम्हें ऐसी बेवकूफी करने की क्या जरूरत थी, जो लड़की को बचाने चले गए। तुम क्या शक्तिमान हो?' मम्मी भी बोलीं, 'बंटी, तुम इस तरह की बेवकूफी क्यों करते हो, जो दूसरों की वजह से पिटो।'

लेकिन बंटी को अपनी बेवकूफी पर कोई पश्चाताप नहीं था। वह मन ही मन सोच रहा था, किसी के साथ कुछ बुरा हो रहा हो तो उसकी मदद करना, विरोध करना कैसे बेवकूफी कही जाएगी? इस तरह लोग चुप रहेंगे तो बदमाशों का चारों तरफ बोलबाला हो जाएगा। सभी को मिलकर इसका विरोध करना चाहिए। *

छोटी कहानी / मुग्धा

आलस्य का त्याग

एक चील थी। उसके दो नन्हे-नन्हे बच्चे थे। बच्चों के पंख आने में अभी काफी समय था, लेकिन वे अपनी मां से बाहर घुमाने की जिद करते। मां उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर घुमा देती थी। असल में चील अपने बच्चों से बहुत प्यार करती थी। उनकी सभी इच्छाएं पूरी करती थी। बच्चों को सब कुछ बैठे-बिठाए मिल जाने की वजह से बच्चे आलसी हो गए। यहां तक कि वे खुद उड़ने से कतराने लगे। चील ने कितना समझाया कि वे उड़ना सीखें, जरूरी है। लेकिन आलसी बच्चे उड़ने की जरा-सी भी कोशिश नहीं करते। चील अपने बच्चों के इस आलसीपन से बहुत दुखी थी।

एक दिन सुबह-सुबह चील ने बच्चों को अपनी पीठ पर बैठाकर ऊंची उड़ान भरी। ऊंचाई पर पहुंचकर चील ने पीठ पर बैठे दोनों बच्चों को गिरा दिया। वे करते तो क्या करते, मजबूरी में दोनों बच्चों ने अपने पंख फड़फड़ाना शुरू कर दिए, वे किसी तरह उड़े। जैसे-तैसे उन बच्चों ने अपनी जान बचाई। वापस आकर दोनों बच्चे अपनी मां पर बिगड़े, बोले, 'मां, आज तो आपने हमें मरवा ही दिया था। अगर हमने कोशिश कर अपने यह पंख न फड़फड़ाए होते, तो सोचो हमारे साथ क्या हो जाता?' चील ने हंसकर अपने बच्चों से कहा, 'जो लोग अपने आप नहीं सीखते हैं, आलस्य नहीं छोड़ते हैं, उन्हें सिखाने का यही नियम है। बच्चो, हमारी पहचान ऊंची उड़ान से है, यही हमारी विशेषता है। इसे बढ़ाने के लिए हमें निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए।' चील के बच्चों को अपनी मां की बातें समझ आ गईं। इसके बाद उन्होंने आलस्य छोड़कर उड़ना शुरू कर दिया। लगातार अभ्यास से वे भी काफी ऊंचाई पर उड़ने लगे। अब वह उड़ने के लिए अपनी मां पर निर्भर नहीं थे। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां रेंडियर के साथ खड़ी लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी छह अंतर खोजो।

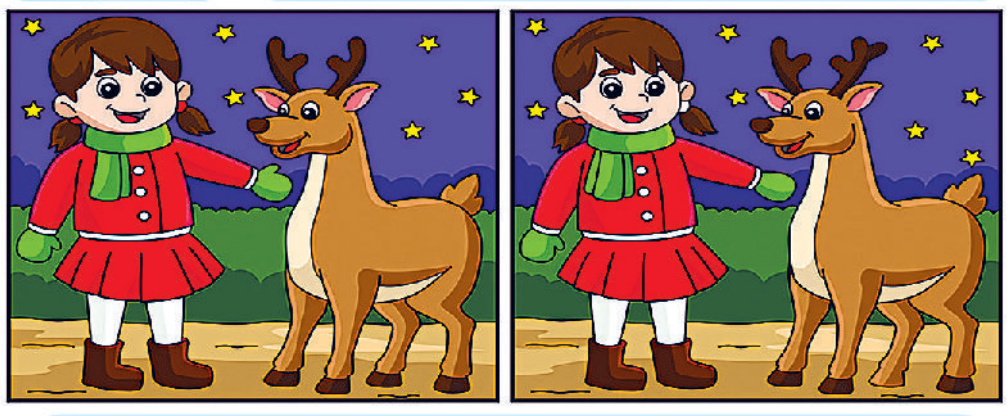

उत्तर: 1. लड़की के मफलर के आगे लटक रहे हिस्से में एक फोल्ड अधिक खुला हुआ है। 2.लड़की की बाईं चोटी में रेड की बजाय व्हाइट हेयर-बैंड लगा हुआ है। 3.लड़की के बाएं हाथ में पहने ग्लव में अंगूठा नहीं दिख रहा है। 4.रेंडियर की बाईं हॉर्न (सींग) में तीन ब्रांचेज है। 5.रेंडियर की पूंछ के ठीक ऊपर एक स्टार दिखाई दे रहा है। 6.रेंडियर के पिछले दाएं पैर में हूफ (खुर) नहीं है।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

अपनों से बिछड़े अली की कहानी

बड़े और पूरे-पूरे पृष्ठों पर फैले हुए चित्रों वाली एक कहानी की किताब है-मैं अली। मूल रूप से अंग्रेजी में लिखी गई इस कहानी की किताब का हिंदी अनुवाद अभी छपकर आया है। देश की सीमा पर बसे एक छोटे से गांव की इस कहानी में एक परिवार की बात है। एक बार युद्ध होता है। इससे अफरा-तफरी मच जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि उस परिवार का गांव नदी के आर-पार दो हिस्सों में बंट जाता है। परिवार के जो लोग अपने मवेशी चराने जंगल की तरफ जाते हैं, वह एक अलग देश बन जाता है। एक हिस्से में रहने वाले लोगों को दूसरे हिस्से में आने-जाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। इस वजह से परिवार का एक बच्चा अली, अपने मां, पिता और बहन से बिछड़कर एक बुजुर्ग के पास रह जाता है। यह बच्चा बड़े होने पर जब यह सब जानता है, तब क्या सोचता है और उसके मन में कैसी बातें आती हैं, यह इस किताब में पढ़ा जा सकता है। यह किताब युद्ध और उससे होने वाले बंटवारे से उपजी तकलीफों को प्रकट करती है। *

किताब : मैं–अली, **लेखन :** सुजाता पद्मनाभन, **अनुवाद :** विनता विश्वनाथन, **मूल्य :** 70 रुपए, **प्रकाशक :** एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल

खबर संक्षेप

नारनौल। रामनगर कालोनी में कन्या के जन्म पर कुआं पूजन के लिए जाती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

बेटी जन्म पर किया कुआं पूजन

नारनौल। रामनगर कॉलोनी में बेटी के जन्म को शुभ व सौभाग्य का प्रतीक मानते हुए शिवशंकर शर्मा ने अपनी दूसरी बेटी के जन्म पर धूमधाम से कुआं पूजन का आयोजन किया। एक माह पहले मोनू शर्मा दूसरी बेटी के पिता बने थे। परिवार ने बच्ची का नाम देवाक्षी रखा है। बेटी के आगमन पर पूरे परिवार में उत्साह व खुशी का माहौल है। कुआं पूजन के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक रीति से मंगल गीत गाए और दादी, नानी बनने की खुशी झूम झूमकर मनाई। इस मौके पर मुरारीलाल शर्मा, बृजेश शर्मा, पिंकेश शर्मा, प्रमोद शर्मा, मुन्नी देवी, मोहित शर्मा, ज्योति, डॉ. राहुल शर्मा, मयंक शर्मा, बीना मेहता, नरेश शर्मा, बबीता शर्मा आदि मौजूद रही।

दिव्यांग पुनर्वास की व्यापक सोच की सख्त जरूरत: डॉ. संजय

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने किया दिव्यांगजनों के लिए संवेदनशीलता का मंच तैयार: अमित शर्मा

कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समावेशन, संवेदनशीलता और दिव्यांगजनों के जीवन से जुड़े अनुभवों को समझने का मंच प्रदान करना रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। अंतर राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते अमित शर्मा व दिव्यांगजनों को सम्मानित करते ट्रस्ट के सदस्य व अतिथि। फोटो : हरिभूमि

अंतर राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से मोहल्ला चौधरियान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सहयोग से दिव्यांगजन संवेदना अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन बुधवार किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समावेशन, संवेदनशीलता और दिव्यांगजनों के जीवन से जुड़े अनुभवों को समझने का मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा थे। अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। कार्यक्रम में हरियाणा स्कूल की प्रबंधक संगीता शर्मा, पूर्व बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा, सर्वोदय स्कूल संचालक दलजीत शास्त्री, शिक्षाविद मनोज गौतम, शिक्षाविद सोनू भारद्वाज, प्रवक्ता प्रवीण कुमार टहला, समाजसेवी पवन यादव, हितेंद्र शेखर भारद्वाज, सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष कश्यप, देव कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। मंच संचालन स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने किया। सोनू भारद्वाज ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्कूल के बच्चों ने दिव्यांगजनों की जीवन यात्रा, संघर्ष और क्षमताओं को विभिन्न गतिविधियों व खेलों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने ऐसी क्रियात्मक प्रस्तुतियां दी, जिनसे यह स्पष्ट हुआ कि किसी भी व्यक्ति की सीमाएं नहीं, बल्कि उसका आत्मविश्वास, अवसर और समाज का सहयोग ही उसके जीवन को नई दिशा प्रदान करता है।

मुख्य अतिथि अमित शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हमें उनके लिए अवसरों, संसाधनों व समावेशी वातावरण की निरंतर व्यवस्था करनी चाहिए। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने दिव्यांगजनों के लिए संवेदनशीलता का मंच तैयार किया है। डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि दिव्यांग पुनर्वास की व्यापक सोच को समाज में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि जब हम दिव्यांगजनों के जीवन को समझते हैं, उनकी क्षमताओं को पहचानते हैं और उनके साथ खड़े होते हैं, तभी वास्तविक समावेश संभव होता है।

मनोज गौतम ने कहा कि आगामी समय में भी इस तरह के आयोजनों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त रखे तो ज्यादा अच्छा रहेगा। संगीता शर्मा ने कहा कि बच्चों के बीच ऐसे कार्यक्रमों का होना अत्यंत सार्थक है।

विपिन शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए सम्मान व स्वावलंबन की राह प्रशस्त करना ही सच्ची सेवा है। दलजीत शास्त्री, मनोज गौतम, सोनू भारद्वाज, सुभाष कश्यप, हितेंद्र भारद्वाज ने दिव्यांगजनों के लिए सहयोग, अवसर और सकारात्मक दृष्टिकोण पर बल दिया।

किया सम्मान

ट्रस्टी भीमसेन शर्मा व दिनेश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित सभी दिव्यांगजनों को अंतर राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। दिव्यांग संगठन के प्रधान मनमोहन, सुशील चौटाला, अजय खटाना, निहाल सिंह, ओमप्रकाश, राजकुमार, सूबे सिंह, अशोक सोनी, रामनिवास को जिला समाज कल्याण अधिकारीर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट व हरियाणा स्कूल की तरफ से अंग वस्त्र, फूल मालाएं, प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संचालन में स्कूल प्राचार्य अविनाश शर्मा व संजय कुमार ने विशेष भूमिका निभाई।

यह रहे उपस्थित

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से समाज में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में कृष्ण शर्मा एडवोकेट, अमीचंद सैनी, रवीना सोनी, भगत सिंह, हन्नी गुप्ता, सरोज कश्यप, सुभाष कश्यप, भीमसेन शर्मा, दिनेश कुमार, नरोत्तम सोनी, प्राचार्य अविनाश कुमार, संजय कुमार, रामनिवास, नरेश कुमार, अल्पना शर्मा, दीपक, लक्ष्मी, वंदना सैनी, मुकेश कुमार, अतर सिंह आदि मौजूद थे।

मॉडर्न स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित

■ सफलता का कोई शॉटकट नहीं, निरंतर मेहनत व अथक प्रयास से ही सफलता संभव : डॉ. शिवानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

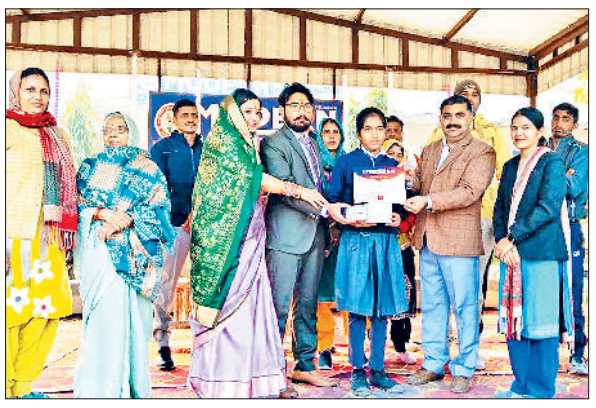

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मनित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल वीरवार को एक सम्मान समारोह का आयोजित कर गत माह हुई विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. कपिल तंवर व उनकी पत्नी शिवानी तंवर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि संस्था डायरेक्टर हुक्मसिंह तंवर व उनकी पत्नी सरोज देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। संस्था चेयरमैन सतनसिंह ने बताया कि इस सम्मान समारोह के दौरान 15वीं मॉडर्न फाउंडेशन टेस्ट सीरीज के विजेता प्रतिभागियों के साथ-साथ रंगोली मेंकिंग, क्वीज, स्पीच प्रतियोगिता के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। डॉ. कपिल तंवर व शिवानी तंवर ने कहा कि अपने लक्ष्यों को निर्धारित करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करें, शिक्षा ही व शक्ति है जो आपको अपने सपनों को पूरा करने में मदद कर सकती है। डायरेक्टर हुक्म सिंह तंवर ने कहा कि सफलता और असफलता दोनों ही जीवन का एक पहलु है। प्राचार्य प्रदीप तंवर ने आश्वस्त किया कि बच्चों के विकास में किसी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

राष्ट्रीय स्तर पर छात्र मोहित का धमाल

महेंद्रगढ़। मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की अंडर-14 हाई जंप प्रतियोगिता में मोहित पुत्र राजू ने फिर से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मोहित ने इस बार दूसरी पोजिशन हासिल कर अपने स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। संस्कार भारती कॉन्वेंट स्कूल पाली के चेयरमैन सुदेश यादव व एमडी संदीप राव ने कहा कि छात्र मोहित ने पिछले साल भी राष्ट्रीय स्तर पर तीसरी पोजिशन हासिल की थी। हमें पूरा विश्वास है कि मोहित भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह गर्व की बात है कि यह स्कूल हर साल राष्ट्रीय स्तर पर मेडल लाने में सफल रहता है। इस उपलब्धि के लिए हम मोहित के कोच, शिक्षकों और माता-पिता को बधाई देते हैं।

महेंद्रगढ़। छात्र मोहित खुशी जाहिर करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़ में सोनिया धनखड़ ने किया दौरा, 7 की जुलाना रैली के लिए महिलाओं को दिया न्योता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

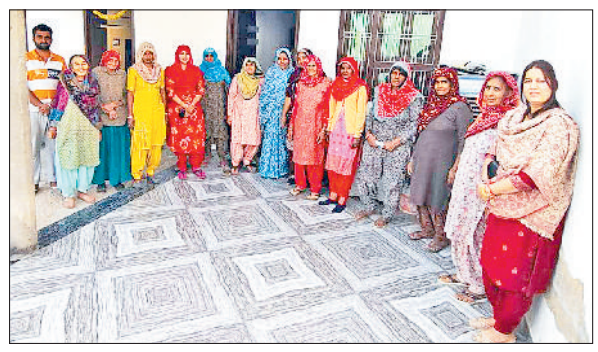

नारनौल। रैली का न्योता देती जिला प्रधान सोनिया धनखड़। फोटो : हरिभूमि

जननायक जनता पार्टी की जिला महेंद्रगढ़ महिला शाखा की जिला प्रधान सोनिया धनखड़ लगातार कई दिनों से पार्टी की स्थापना दिवस रैली के लिए गांव-गांव जाकर महिलाओं को आमंत्रित कर रही हैं। सात दिसंबर को जींद जिले के जुलाना में होने वाले पार्टी के आठवें स्थापना दिवस कार्यक्रम के लिए महेंद्रगढ़ जिले से कम से कम एक हजार से अधिक महिलाओं को ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस दौरे के दौरान उन्होंने बताया कि प्रत्येक गांव में महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला और उनका जबरदस्त स्वागत किया गया। महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की 'लाडो लक्ष्मी योजना' ढकोसला साबित हुई है और प्रदेश में करीब छत्तीस हजार बुजुर्गों की पेंशन काट दी गई है। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं का वास्तविक उत्थान केवल नैना चौटाला ही कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे दुष्यंत चौटाला ने कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर महिलाओं को लाभ पहुंचाया था।

सोनिया धनखड़ ने महंगाई को बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि बढ़ती कीमतों ने घरों की रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित किया है। वीरवार महिलाओं का वास्तविक उत्थान उन्होंने मेहरमपुर, चिंडालिया, मोहनपुर, तोताहेड़ी, डोंगली, अकबरपुर, कालबा सहित कई गांवों का तूफानी दौरा किया। इस दौरान शारदा खन्ना, नीलम चिंडालिया, मीनू स्वामी, सुनीता, सरोज, रामकुमार मक्शुसपुर, शेरू मेहरमपुर, चैनसुख तोताहेड़ी, सुनील दोंगली व राकेश अकबरपुर समेत कई नेता भी उनके साथ मौजूद थे।

नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

नशा मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णा नगर में प्राचार्या डॉ. सुमन यादव की अध्यक्षता में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। प्राचार्या डॉ. सुमन यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक सामाजिक चुनौती है। हम सब मिलकर इसका सामना सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं व आम जनता को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले गंभीर शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करना है। प्राचार्या ने महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों से यह अपील की कि वे न केवल स्वयं नशे का त्याग करेंगे, बल्कि समाज के लोगों को भी नशे के प्रति जागरूक करें। वरिष्ठ प्राध्यापक अजीत सिंह ने भी नशा मुक्ति अभियान पर विद्यार्थियों से अपने विचार साझा किया। अंत में महाविद्यालय के नशा मुक्ति कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोली ने विश्वास दिलाया कि वह सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को समाज में फैलाने का सकारात्मक प्रयास करेंगे। इस मौके पर सहायक प्राध्यापक डॉ. अजय यादव, निर्मला यादव, डॉ. सुषमा शर्मा मौजूद थे।

जेजेपी प्रदेश सचिव हजारीलाल लंबोरा ने रैली का दिया निमंत्रण

नांगल चौधरी। जननायक जनता पार्टी के प्रदेश सचिव हजारीलाल लंबोरा, हलका प्रभारी विनोद भील, प्रधान प्रमोद ताखर ने नांगल पीपा, ढोंगली, सिरोही बहाली, नोलाजा, मोहनपुर, बनिहाड़ी, तोताहेड़ी गांव में जनसंपर्क करके सात दिसंबर को जुलाना में प्रस्तावित जजपा स्थापना रैली का निमंत्रण दिया। इस दौरान ग्रामीणों को पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जननायक जनता पार्टी का गठन आठ साल पहले पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल के सिद्धांतों पर किया गया था। पार्टी में वर्करों को सम्मान देने की परंपरा बनी हुई, जिसके परिणाम स्वरूप पहले ही विधानसभा चुनाव में 10 सीटें जीतने का रिकार्ड बनाया है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के प्रयासों नांगल चौधरी को उपमंडल का दर्जा मिलना संभव हो पाया है। उनके प्रयासों से ही बुढ़ापा पेंशन में बढ़ोतरी हो पाई। भाजपा और कांग्रेस ने झूठा प्रचार करके जनता को भ्रमित कर दिया था, लेकिन अब लोग जागरूक हो चुके हैं और आने वाले चुनावों में पार्टी को सत्ता सौंपने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि सात दिसंबर को नांगल चौधरी हलके से करीब पांच हजार कार्यकर्ता स्थापना रैली के लिए रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि वर्करों की सुविधा के लिए 800 वालियंटरों को विभिन्न जिम्मेवारी सौंपी गई है।

संतोष मेमोरियल में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस उत्साह व उल्लास के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। खेलकूद विजेता दिव्यांगों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संतोष मेमोरियल रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस बड़े ही उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता एवं चेयरपर्सन डॉ. कुसुम गुप्ता ने सभी दिव्यांग बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि 'समावेशी शिक्षा का मूल मंत्र है, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।' कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वर वंदना एवं अतिथियों के स्वागत से हुई। संस्था के प्राचार्य डॉ. आरएन यादव ने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. राजपाल यादव, उनकी बेटी डॉ. आकृति यादव, रेडक्रॉस से शोभा शर्मा, मंजू कुमार तथा एडवोकेट अंजू शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विविध खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत दिव्यांग जागरूकता पर आधारित नाटक अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक रहा। इस मौके पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में म्यूजिकल चेयर रेस में प्रथम सोनल, लांग जंप में प्रथम हिमांशु (श्रवण बाधित), हाई जंप में प्रथम हिमांशु, टावर मेकिंग ऑफ डिस्पोजल ग्लास में प्रथम दिव्या और संजय, अरेन्ज द चेयर गेम में प्रथम अलका एवं आर्यन, भावना रहे। विजेता दिव्यांगों को संस्था द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

नीरज अग्रवाल बने अग्रवाल वैश्य समाज के विधानसभा प्रधान

नांगल चौधरी। सामाजिक संगठन अग्रवाल वैश्य समाज का नांगल चौधरी हलका प्रधान की जिम्मेवारी नीरज अग्रवाल को सौंपी गई है। साथ ही हलका कार्यकारिणी के गठन और दायित्व सौंपने के लिए अधिकृत किया गया है। नवनियुक्त प्रधान ने समाज को संगठित और विकसित बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला एवं जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि गर्ग उर्फ मोनू भाटा की अनुशंसा से उनके द्वारा अपने क्षेत्र में किए गए कार्य एवं संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए की गई है। नवनियुक्त हलका प्रधान ने प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता, प्रदेश सह महासचिव मुकेश बंसल का भी आभार जताया। इस मौके पर पदाधिकारियों ने कहा कि जिले में अग्रवाल वैश्य समाज को संगठित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। राजनीतिक और सामाजिक दोनों ही क्षेत्र में अग्रवाल वैश्य समाज का बड़ा योगदान है और इन क्षेत्रों में समाज का दायरा और बढ़ाए जाने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में समाज के होनहार एवं सक्रिय सदस्य नीरज अग्रवाल को नांगल चौधरी हलके की जिम्मेदारी सौंपी गई।

महिला कॉलेज में एनएसएस शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। शिविर के दौरान रैली निकालती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय की एनएसएस की तीनों इकाइयों की ओर से एक दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। यह शिविर प्राचार्य डॉ. आरपी सिंह के मार्गदर्शन व कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. मनमीत कौर, सुनीता देवी, डॉ. प्रियंका कुमारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। शिविर की शुरूआत पर्यावरण जागरूकता रैली से हुई। जिसमें तीनों इकाइयों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली के माध्यम से छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ व सतत जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग से डॉ. वंदना कुमारी ने स्वयंसेवकों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, भावनात्मक नियंत्रण और सकारात्मक पारस्परिक संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर के दौरान पर्यावरण संरक्षण विषय पर चित्रकला व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिनमें विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक व जागरूकता से भरे विचार प्रस्तुत किए। स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ग्रहण की और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने व समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

प्राचार्य मनोज कुमार ने मूसनोता स्कूल में संभाला कार्यभार

नांगल चौधरी। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मूसनोता में प्राचार्य मनोज कुमार ने कार्यभार संभाल लिया है। स्टॉफ कर्मियों ने पौधा भेंट तथा पौधारोपण करवाकर नए प्राचार्य का अभिनंदन किया है। मीटिंग के दौरान उन्होंने स्कूल में अनुशासन तथा मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान उन्होंने कक्षा वाइज बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि विभागीय शिक्षण संस्थाओं में योग्यतावान शिक्षक नियुक्त हैं। साथ ही खेल,कंप्यूटर तथा अन्य गतिविधियों में प्रतिभा निखारने का प्लेटफार्म का प्रबंध है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को सरकार द्वारा विभिन्न सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। बोर्ड कक्षाओं में स्कूल का प्रदर्शन उत्कृट रहा है जिसमें सेवानिवृत हुए प्राचार्य अजय कुमार का सहरानीय योगदान रहा है। इसके बाद प्राचार्य ने स्कूल के खेल ग्राउंड, कमरों तथा कंप्यूटर कक्ष का अवलोकन किया है। अभिनंदन कार्यक्रम में टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टॉफ मौजूद रहा है।

नांगल चौधरी। स्कूल का कार्यभार संभालने पहुंचे प्राचार्य का अभिनंदन करते हुए स्टॉफ सदस्य।

जेएम दिव्यांग कल्याण केंद्र में मनाया विश्व दिव्यांग दिवस

नारनौल। जेएम दिव्यांग कल्याण पुनर्वास केंद्र अटेली मंडी में विश्व दिव्यांग दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने अनेक खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ डांस में भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर जेएम दिव्यांग स्कूल के प्रधानाचार्य दीपक शर्मा ने कहा कि दिव्यांग हमारे समाज का अभिन्न अंग होते हैं। दिव्यांगों में वह ऊर्जा होती है, जो सामान्य व्यक्ति से भी अधिक कार्य कर सकते हैं, इसलिए समाज दिव्यांगों को कमजोर मत समझे। उन्होंने कहा कि समय समय पर दिव्यांग अपनी ऊर्जा का समाज में लोहा मनवाते रहे हैं। इस मौके पर अजय यादव, राममुवन, कृष्ण कुमार, विजय कुमार आदि मौजूद थे।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। फोटो : हरिभूमि

महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को दी जाएगी श्रद्धांजलि

महेंद्रगढ़। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति के तत्वावधान में छह दिसम्बर को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होगी। इसके उपरांत प्रातः नौ बजे डॉ. आंबेडकर भवन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक सहित समाज के प्रतिष्ठित नागरिक, समिति के सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य लोग उपस्थित रहकर बाबा साहेब को सादर नमन करेंगे।

सार्वजनिक सूचना

मै नंबर 2894625वाई रैंक हवलदार धर्मवीर ब्यान करता हूं कि मेरे पुत्र साहिल की जन्म तिथि मेरे आर्मी रिकार्ड में 30.09.2007 दर्ज है जो कि गलत है। मेरे पुत्र की सही जन्म तिथि उसके सभी दस्तावेजों के अनुसार 16.07.2006 है। नियमानुसार सही की जाए।

खबर संक्षेप

दुकान की दीवार तोड़ने पर शहर में सनसनी

नांगल चौधरी। निजामपुर रोड पर स्थिति दुकानों के पिछले हिस्से की दीवार तोड़ दी गई। जिसकी सूचना मिलते ही व्यापारियों में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया। दुकान मालिक ने थाने में शिकायत देकर वारदात की छानबीन करने और दोषियों को पकड़ने की गुहार लगाई है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित गोपाल सिंह राजपूत ने बताया कि थाना मोड़ के पास दुकान बनी हुई हैं तथा दुकानों के पीछे दीवार का निर्माण भी कराया गया है।

हादसे में घायल को डीएसपी ने पहुंचाया अस्पताल

कनीना। डीएसपी दिनेश कुमार ने वीरवार को सड़क हादसे में घायल हुए एक प्रवासी बाइक सवार व्यक्ति की जान बचाकर मानवता का परिचय दिया है। हुआ यूं कि डीएसपी दिनेश कुमार जब अपने कार्यालय जा रहे थे, तो रास्ते में एक बाइक सवार व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ दिखाई दिया। उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी रोककर घायल को अपनी गाड़ी के माध्यम से उप नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

शिकायत का तुरंत प्रभाव से करें समाधानः सीटीएम

नारनौल। नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने वीरवार को लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 41 शिकायतें आई, जिनमें अधिकतर का मौके पर ही समाधान किया। नगराधीश ने आमजन की शिकायत सुनते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में जो शिकायतें आती हैं, उनका तुरंत प्रभाव से समाधान करें।

जिलास्तरीय किड्स प्रतियोगिता 7 को

महेंद्रगढ़। जिले में बच्चों की जिला स्तरीय किड्स स्पोर्ट्स प्रतियोगिता सात दिसंबर को ओजस स्पोर्ट्स एकेडमी के तत्वावधान में खेल मैदान में आयोजित की जाएगी। जिला सचिव प्रदीप यादव व एथलेटिक्स कोच सूरत गुर्जर ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर-आठ, अंडर-10 व अंडर-12 आयु वर्ग के लड़के तथा लड़कियां भाग लेंगे।

कर्मियों को सम्मानस्वरूप कंबल भेंट किए

नारनौल। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में अधिवक्ता नरेंद्र यादव गुवानी के सौजन्य से नगर की विभिन्न गोशालाओं में कार्यरत कर्मचारियों को सम्मानस्वरूप कंबल भेंट किए गए। अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि श्री गोपाल गोशाला से कार्यक्रम शुरू किया गया। अभियान में ट्रस्टी एवं प्रवक्ता डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, ट्रस्टी नरोत्तम सोनी ने सहयोग किया। पर्यावरणविद कृष्ण शर्मा एडवोकेट विशेष आमंत्रित अतिथि थे।

खेड़ी तलवाना में भंडारा नौ दिसंबर को

कनीना। खेड़ी तलवाना के बाबा ज्ञानगिरी आश्रम बरसावल धाम में आगामी नौ दिसंबर को चौथे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए शिवकुमार ने बताया कि बाबा ज्ञानगिरी सेवा समिति की ओर से नौ दिसंबर को सुबह सवा आठ बजे हवन होगा।

सरसों के साथ अगर शहद उत्पादन का काम करें किसान तो आमदनी में होगी बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने किसानों के समक्ष एक महत्वपूर्ण विचार रखते हुए सुझाव दिया कि सरसों की फसल के साथ अगर शहद उत्पादन का काम भी करने लगे तो यह किसान की आमदनी में आगे चलकर उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर सकता है। डा. अभय सिंह यादव ने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात में जम्मू कश्मीर व दक्षिणी भारत के कुछ किसान संगठनों का हवाला देते हुए कहा कि वहां उपलब्ध मौसमी फूलों से वह शहद का अच्छा खासा उत्पादन कर रहे हैं, जो उनकी आमदनी का एक अतिरिक्त साधन बन गया है। उन्होंने इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र में बिजाई की जाने वाली सरसों की फसल की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि यहां व्यापक रूप से सरसों की फसल की जाती है, जिसमें मधुमक्खी की उपस्थिति भी व्यापक रूप से होती है। यदि सरसों के फूलों का उपयोग शहद के उत्पादन के लिए करना आरंभ करें, तो यह न केवल अतिरिक्त आमदनी का साधन बन सकता है, अपितु यदि संगठित व समर्पित भाव से इसमें ध्यान दिया जाए, तो यह इस क्षेत्र का प्रमुख उत्पाद भी बन सकता है।

खास बातें

- इसी साल कम से कम 100 किसान ऐसे तैयार किए जाएं, जो कम से कम एक शहद उत्पादन करने का डब्बा अपने खेत में जरूर रखें

व्यापक रूप से की जाती है सरसों की फसल

प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत करें शहद उत्पादन कार्य

पूर्व सिंचाई मंत्री ने कहा कि पहले भी कुछ जगहों पर एक सीमित प्रयास हुआ है, लेकिन यह काम व्यापक जनभागीदारी प्राप्त नहीं कर पाया। यदि प्रारंभ में किसान संक्षिप्त प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत केवल एक एक शहद एकत्रित करने का डब्बा भी अपने खेत में रखना प्रारंभ करें, तो आगे चलकर यही व्यापक रूप से उत्पादन का एक प्रमुख केन्द्र बन सकता है। दक्षिणी हरियाणा व पड़ोसी राजस्थान के जिलों सहित एक बड़ा क्षेत्रफल सरसों उत्पादन का हमारे पास उपलब्ध है। यह समस्त क्षेत्र सरसों के फूलों की पीली चुनरी की तरह खिले हुए फूलों की एक आकर्षक तस्वीर पेश करता है। प्रकृति की इस धरोहर का यदि हम शहद उत्पादन के लिए फायदा उठाएं, तो किसान के लिए यह एक आकर्षक व्यवसाय बन सकता है तथा सरसों की खेती शहद की खेती भी बन सकती है। शहद उत्पादन के साथ ही मधुमक्खियों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ ही सरसों के उत्पादन में भी वृद्धि होगी, क्योंकि मधुमक्खियां एक फूल से दूसरे पर पराग रोपण का कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अतः जितना ज्यादा सरसों के फूलों का मधुमक्खी के माध्यम से एक फूल से दूसरे फूल का सम्पर्क होगा उतनी ही उत्पादन में मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस विषय में उन्होंने उपायुक्त महेंद्रगढ़ से भी बात की है कि कृषि ज्ञान केंद्र अथवा अन्य सम्बंधित विभाग के माध्यम से किसानों को ट्रेनिंग का प्रबंध किया जाए तथा इसी साल कम से कम एक 100 किसान ऐसे तैयार किए जाएं, जो कम से कम एक शहद उत्पादन करने का डब्बा अपने खेत में जरूर रखें।

डॉ. अभय सिंह यादव

- कृषि ज्ञान केंद्र अथवा अन्य सम्बंधित विभाग के माध्यम से किसानों को मिले ट्रेनिंग

केवल पहल व प्रोत्साहन की जरूरत

उन्होंने कहा कि उनका ये दृढ़ विश्वास है कि जब एक बार शहद का स्वाद किसान को आ गया तो गांव गांव में शाहद पैदा होगा। इसमें केवल पहल और प्रोत्साहन की जरूरत है। जिसे जिला प्रशासन आवश्य करेगा, लेकिन असली पहल तो किसान को करनी है, जो इस कार्य को प्रारंभ करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि हर युवा का नवाचार के प्रति आकर्षण होना चाहिए तथा नई पहल करने के लिए प्रेरित होना चाहिए, क्योंकि हर ऐसी नई चीज या नई पहल संभावनाओं का अपार भंडार लिए होती है, केवल इसमें एक बार प्रवेश करने की आवश्यकता है। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक गांव से कम से कम पांच युवा जिला बागवानी अधिकारी के कार्यालय में इस कार्य को करने के लिए अपना प्रार्थना पत्र भिजवाएं, ताकि उपायुक्त के माध्यम से उनके प्रशिक्षण व अन्य सुविधाओं का प्रबंध करवाया जा सके। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि सरसों की फसल के फूलने का समय अतिनजदीक है। अतः वह तुरंत इस दिशा में कार्य प्रारंभ करें।

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने बीकानेर के अधिकारियों से की शिकायत

रेलवे स्टेशन पर लगाई जा रही घटिया सामग्री, पहुंची शिकायत

शिकायत के बाद हुई तुरंत कार्रवाई, ढहाई दीवार

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

रेलवे स्टेशन पर मैटिरियल घटिया स्तर पर लगाने के कारण दैनिक रेलयात्री महासंघ ने इसकी शिकायत बीकानेर मंडल के उच्च अधिकारियों को की है। महासंघ के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि घटिया स्तर की सामग्री लगाने की शिकायत बीकानेर के उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया गया तथा कुछ ही मिनटों में चिनाई की हुई लगभग 80 फीट दीवार को जेसीबी से तोड़ा गया। उन्होंने बताया कि अमृत योजना के तहत महेंद्रगढ़ के रेलवे स्टेशन पर कार्य जारी है।

जिसमें लगभग 17 करोड़ रुपये खर्च होने है। जिसका मैप भी रेलवे की ओर से जारी कर रखा है। यहां पर विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए अलग-अलग टेंडरों के तहत कार्य किए जा रहे है, जिसमें 11 करोड़ रुपये से स्टेशन के करीब साढ़े आठ हजार स्कवायर मीटर का एरियों पर अलग-अलग कार्यों को छह माह में पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की गई थी तथा स्टेशन का 90 प्रतिशत कार्य पूरा भी हो गया है। उन्होंने बताया कि शहर के आदर्श रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण के लिए रूद्रा शिवाय कंस्ट्रक्शन कंपनी को टेंडर अलाट हुआ है। कंपनी ने स्टेशन पर अपना कार्य शुरू करते हुए महेंद्रगढ़ के रेलवे स्टेशन का काम भी शुरू कर दिया गया था। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेलमंत्री रेलवे स्टेशन को अमृत योजना के तहत सौंदर्यीकरण करवा रहे है, लेकिन ठेकेदारों व निचले अधिकारियों की मिली भगत से स्टेशनों पर घटिया सामग्री लगाई जा रही है।

महेंद्रगढ़। रेलवे स्टेशन पर दीवार को ढहाती जेसीबी मशीन। *फोटो: हरिभूमि*

बहुत कम मात्रा में लगाई जा रही है सीमेंट

पाटोदा ने बताया है कि तीन नंबर की ईंटें, जीरों क्वालिटी का क्रेशर, अच्छे कंपनी के सरिये भी नहीं लगाए जा रहे है तथा सीमेंट भी बहुत कम मात्रा में लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले रेल में कोई भी कार्य किए जाते थे तो 100 से 500 वर्षों तक चल जाते थे। अब वर्षभर में भवन खंडहर हो जाता है। इसकी शिकायत कई बार बीकानेर मंडल व रेल मंत्री को की जा चुकी है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि बीकानेर मंडल के अधिकारी व ठेकेदारों की सांठगांठ व सुविधा शुल्क के अभाव में घटिया कार्य किया जा रहा है। अगर विभाग ने कठोर कार्रवाई अमल में नही लाई तो मजबूरन होकर दैनिक रेलयात्री महासंघ व क्षेत्र के लोग धरना प्रर्दशन करने पर मजबूर होंगे।

दीवार को तोड़ा

एडीईएन ओमप्रकाश से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन पर चल रहे कार्य को लेकर घटिया स्तरीय सामग्री लगाई जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद तुरंत प्रभाव से जेसीबी की सहायता से दीवार को तोड़ा गया है।

कनीना। बंदर पकड़ने वाले एजेंसी कर्मचारियों के साथ चेयरपर्सन डॉ रिंपी लोढ़ा व अन्य।

कनीना में पकड़े जाने के बाद बंदर पिंजरा देख भागे

- एजेंसी ने कुछ दिन के लिए अभियान रोका

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

कनीना में 13 से 22 नवंबर तक 134 बंदर पकड़ने के बाद शेष बंदर अब पिंजरे को देखते ही दूर भागने लगे हैं। जिसके चलते बंदर पकड़े जाने का कार्य फिलहाल कुछ दिन के लिए रोक दिया गया है। यह कार्य जयश्री राम कूप एलसी सोसायटी एजेंसी की ओर से किया जा रहा था। बता दें कि नगर पालिका प्रशासन की ओर से 400 बंदर पकड़े जाने का टेंडर उपरोक्त एजेंसी के नाम से छोड़ा गया था। वर्क आर्डर जारी होने के बाद 13 नवंबर से बंदर पकड़ने का कार्य शुरू किया गया। जिसके चलते 13 नवंबर को 35 बंदर पकड़े गए। जिनमें आठ मेल, 12 फीमेल व 15 बच्चे शामिल थे। इसके बाद 15 नवंबर को 15 मेल, 25 फीमेल, 6 बच्चे पकड़े गए। वहीं 17 नवंबर को आठ मेल, 22 फीमेल, छह बच्चे सहित 36 बंदर, 19 को सात मेल बंदर, 20 को पांच मेल बंदर, 21 को तीन व 22 को दो मेल बंदर सहित कुल 134 बंदर पकड़े गए। जिन्हें टेंडर की शर्तों के मुताबिक रिजर्व फोरेस्ट एरिया में छोड़ा गया। अब बंदर पकड़ने के लिए एजेंसी कर्मचारी पिंजरा रखते हैं।

नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि बंदरों के आतंक से आमजन परेशान था। बच्चे एवं महिलाएं बंदरों का निशाना बन चुकी थी। जिनकी ओर से बंदरों को पकड़ने के लिए नपा कार्यालय में बार बार शिकायतें दी जा रही थी। उन्होंने बताया कि नपा क्षेत्र में करीब 400 बंदरों को पकड़ने के लिए टेंडर कॉल किए गए थे। कुछ समय बाद बंदर पकड़ने का कार्य फिर से शुरू किया जाएगा। इस मौके पर नपा सचिव कपिल कुमार, एमई दिनेश कुमार, जेई राकेश कुमार, लेखाकार मनोज कुमार उपस्थित थे।

शिविर में डीसी ने सुनीं समस्याएं

- महेंद्रगढ़ के लघु सचिवालय स्थित कोर्ट रूम में समाधान शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में वीरवार को महेंद्रगढ़ के लघु सचिवालय स्थित कोर्ट रूम में समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने की और आमजन की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक व्यक्ति की समस्याएं सुनी और मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान हमारी प्राथमिकता है। समाधान शिविर का उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच सीधे संवाद को बढ़ावा देना है, जिससे लोगों की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जा सके। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। लोगों की शिकायत सुनते डीसी व एसपी। *फोटो: हरिभूमि*

स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार पर की चर्चा

शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक कल्याण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। समाधान शिविर में प्रमुख तौर पर परिवार पहचान पत्र, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड आदि शिकायतें शामिल हैं। इसके निवारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी व टीम शिविर में तुरंत समाधान करने का प्रयास कर रही हैं। इस अवसर पर नगर पालिका सचिव गौरव कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी अलका, समाज कल्याण विभाग से सुरेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

आरपीएस के आदिश जैन ने साइंस ओलंपियाड में जीता गोल्ड मेडल

नारनौल। आरपीएस स्कूल में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत छात्र आदिश जैन ने साइंस ओलंपियाड का पहला चरण एनएसईजेएस, दूसरा चरण आईएनजेएसओ, तीसरा चरण ओसीएससी, चौथा चरण पीडीटी को पार करते हुए भारत के सर्वश्रेष्ठ छह विद्यार्थियों की टीम में अपना स्थान बनाया। इसके बाद पांचवें व अंतिम चरण में आईजेएसओ इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए रूस में आयोजित इस प्रतियोगिता में आदिश जैन ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। आदिश जैन की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने छात्र को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्र आदिश जैन

कर्ण सिंह को स्पोर्ट्स बायोपिक फिल्मों के प्रेरक प्रभाव पर शोध के लिए मिली पीएचडी उपाधि

- वर्तमान में कर्ण सिंह केआर मंगलम विश्वविद्यालय गुरुग्राम में मीडिया विभाग में सहायक प्रोफेसर के तौर पर कर रहे काम

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

जिले के गांव बेवल निवासी कर्ण सिंह को स्पोर्ट्स बायोपिक फिल्मों का युवाओं पर पड़ने वाले प्रेरक प्रभाव विषय पर किए गए उनके शोध कार्य के लिए जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। वर्तमान में कर्ण सिंह केआर मंगलम विश्वविद्यालय गुरुग्राम में मीडिया विभाग में सहायक प्रोफेसर के तौर पर काम कर रहे हैं। यह शोध कार्य डॉ. मोहम्मद आमिर पाशा (शोध निर्देशक) तथा डॉ. शिवेंदु कुमार राय (सह- निर्देशक) के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

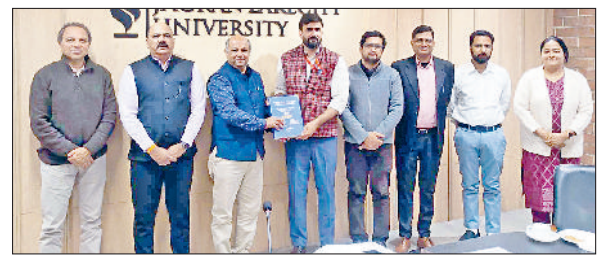

नारनौल। कर्णसिंह को उपाधि प्रदान करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया

अपने अध्ययन में कर्ण सिंह ने भारतीय खेल-आधारित बायोपिक फिल्मों के प्रेरक तत्वों, युवाओं की खेल संस्कृति पर उनके प्रभाव तथा खेल को कैरियर के रूप में चुनने की प्रवृत्ति पर इनके योगदान का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया है। शोध में यह निष्कर्ष सामने आया कि स्पोर्ट्स बायोपिक फिल्में न केवल मनोरंजन का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं में खेल के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और प्रेरणा विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी ने उनके शोध कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह अध्ययन सिनेमा, खेल और समाज के अंतर्संबंध को समझने में एक मूल्यवान योगदान है। पीएचडी उपाधि प्राप्त करने पर कर्ण सिंह ने अपने मार्गदर्शकों, विश्वविद्यालय और परिवारजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया।

नारनौल। रोष व्यक्त करते जिला प्रधान सुरेंद्र यादव एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

प्रदेश अध्यक्ष पर दर्ज एफआईआर से कर्मचारियों में रोष

नारनौल। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल पर दर्ज की गई एफआईआर से कर्मचारी नेताओं में रोष पैदा हो गया है और इसके विरोध में कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर रोष व्यक्त किया। संघर्ष समिति ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला उल्लंघन और शांतिपूर्ण आंदोलनों को दबाने की सोची-समझी कोशिश बताया है। समिति के जिला प्रधान सुरेन्द्र यादव के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष धारीवाल लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों के साथ जन-जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम चला रहे हैं। इसी क्रम में धारीवाल की अध्यक्षता में जन्तर मन्तर पर ओपीएस बहाली हेतु आयोजित एक शांतिपूर्ण धरना पूरी अनुशासन और मर्यादा के साथ सम्पन्न हुआ। इसके बावजूद केवल 'अधिक संख्या में कर्मचारियों की भागीदारी' का हवाला देकर प्रदेश अध्यक्ष और अन्य कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिसे कर्मचारी समाज ने पूरी तरह अन्यायपूर्ण करार दिया है।

पीड़ित छात्र का यह भी आरोप...एक दिन पहले बहन को भी परिचालक ने मारा था थप्पड़

प्राइवेट बस परिचालक ने बस पास को नकारा छात्र से मारपीट का आरोप, किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

प्राइवेट बस परिचालकों की ओर से विद्यार्थियों के साथ बदतमीजी करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। नारनौल कॉलेज की छात्रा के बाद अब एक आईटीआई के छात्र के साथ प्राइवेट बस परिचालक ने बदतमीजी की और उसके साथ मारपीट की। इसी को लेकर वीरवार को आईटीआई के छात्रों ने शहर में प्रदर्शन किया और प्राइवेट बस परिचालक के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की। विद्यार्थी ने इसकी शिकायत महेंद्रगढ़ सदर थाना प्रभारी को भी दी है। महेंद्रगढ़ आईटीआई के विद्यार्थी आशीष ने मीडिया के समक्ष बताया कि वह डहीना से महेंद्रगढ़ आईटीआई में पढ़ने के लिए आता है। वीरवार वह प्राइवेट बस में सवार होकर महेंद्रगढ़ आया था। इस दौरान प्राइवेट बस परिचालक ने बस पास मानने से इनकार कर दिया। उसके साथ बदतमीजी और मारपीट की। उइसी प्राइवेट बस परिचालक ने कल उसकी बहन को भी थप्पड़ मारा था। वहीं आईटीआई के ही एक अन्य विद्यार्थी नवीन ने कहा कि चरखी दादरी रूट पर भी प्राइवेट बस परिचालक विद्यार्थियों से अभद्र व्यवहार करते हैं और उनके साथ मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

महेंद्रगढ़। शहर में प्रदर्शन करते आईटीआई के छात्र। *फोटो: हरिभूमि*

विद्यार्थियों के साथ बदतमीजी बर्दाश्त नहीं

बता दें कुछ दिन पहले भी नारनौल की एक छात्रा ने प्राइवेट बस परिचालक पर बस पास मान्य नहीं किए जाने और बदतमीजी करने का आरोप लगाया था। यह मामला कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा की ग्रीवेंस मीटिंग में भी पहुंचा था। इस दौरान मंत्री ने आरटीओ को प्राइवेट बस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के आदेश जारी किए थे और बस का इंपाउड करने की बात कहीं थी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि विद्यार्थियों के साथ बदतमीजी बर्दाश्त नहीं हो होगी, हालांकि अभी प्राइवेट बस संचालकों बस पास और कुछ अन्य नियमों को लेकर सरकार के खिलाफ कोर्ट में स्टे लिया हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में दवा विक्रेता घर से लापता

नारनौल। एक दवा विक्रेता संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गया। वह करीब 10 साल से एक प्राइवेट अस्पताल में दवा की दुकान चलाता है। मेडिकल स्टोर संचालक के लापता होने के बाद उसकी पत्नी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें उसने फाइनेंसरों द्वारा उसके पति को परेशान किए जाने का आरोप लगाया है। शहर के महेंद्रगढ़ रोड पर निजी अस्पताल में मेडिकोज चलाने वाले शास्त्री कॉलोनी निवासी निर्मल कुमार के अचानक लापता होने से परिजनों में हड़कंप मचा हुआ है। निर्मल कुमार बीते बुधवार सुबह लगभग 11:30 बजे से घर से लापता हैं। परिजनों के अनुसार वे पिछले कई दिनों से कुछ फाइनेंसरों द्वारा दबाव बनाए जाने और लगातार परेशान किए जाने के चलते मानसिक और शारीरिक रूप से तनाव में थे। इसी तनाव के चलते वह घर से लापता हुआ है।